[This question paper contains 04 printed pages]

Roll Number: _____

HPAS (Main) Examination-2018

ECONOMICS-II

Time: 3 Hours | Maximum Marks: 100

निर्धारित समय : तीन घंटे | अधिकतम अंक: 100

Note:

1. This question paper contains eight questions. Attempt total five questions including question No.1 which is compulsory.

2. Each question carries equal marks. Marks are divided and indicated against each part of the question.

3. Write legibly. Each part of the question must be answered in sequence in the same continuation.

4. If questions are attempted in excess of the prescribed number only questions attempted first up to the prescribed number shall be valued and the remaining answers will be ignored.

ध्यान दें :

1. इस प्रश्न पत्र में आठ प्रश्न हैं। प्रश्न संख्या 1 (जो अनिवार्य है) सहित कुल पांच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

2. प्रत्येक प्रश्न के समान अंक हैं। अंको को प्रश्न के प्रत्येक भाग के विरुद्ध विभाजित और इंगित किया गया है।

3. स्पष्ट रूप से लिखें। प्रश्न के प्रत्येक भाग को उसी क्रम में क्रम से उत्तर दिया जाना चाहिए।

4. यदि प्रश्नों को निर्धारित संख्या से अधिक करने का प्रयास किया जाता है, तो केवल निर्धारित संख्या तक पहले किए गए प्रश्नों का मूल्यांकन किया जाएगा और शेष उत्तरों को नजरअंदाज किया जाएगा।

1. Answer the following questions in brief: (05x04=20)
निम्नलिखित प्रश्नो का उत्तर संक्षेप में दीजिये:

(a) Why basic objectives of economic planning have remained by and large unfulfilled in India? How the approach of doing away of the Planning Commission is expected to revert the process?
भारत में योजना के प्रमुख उद्देश्य कमोबेस क्यों अप्राप्य रहे हैं? योजना आयोग को विघटित करने के उपागम से वस्तुस्तिथि को पलटने की क्या अपेक्षा की जा सकती है?

(b) Examine the impact of Trade related Intellectual Property Rights on the pharmaceutical industry in India.
व्यापार से सम्बंधित बौद्धिक सम्पदा अधिकारों का भारत के औषधि उद्योग पर पड़ने वाले प्रभावों का मूल्याङ्कन कीजिये।

(c) Is the public sector is still relevant for the industrial development and growth of India? Provide valid arguments in support of your view.
क्या सार्वजानिक क्षेत्र अब भी भारत के औद्योगिक प्रगति एवं विकास के लिए प्रसंगोचित हैं? अपने विचार के समर्थन में मान्य तर्क दें।

(d) Distinguish between 'income poverty' and 'multi-dimensional poverty'. What does the multidimensional poverty index measure?
'आय निर्धनता' एवं 'बहु आयामी निर्धनता' में भेद कीजिये। बहु आयामी निर्धनता सूचकांक क्या माप करता है?

2. (a) "The present crisis of agriculture in India is a composite of agrarian crisis i.e. distress of farmers and agricultural crisis i.e. failure of the agricultural sector." Elaborate. (12)
"भारत में कृषि का वर्तमान संकट कृषिक संकट अर्थात कृषकों के संकट एवं कार्षिक (कृषि सम्बन्धी) संकट अर्थात कृषि क्षेत्र की असफलता का सम्मिश्र है." विस्तारपूर्वक समझाएं।

(b) Do you subscribe to the idea that the present crisis of agriculture is limited to a handful of states like Maharashtra, Kerala, Tamil Nadu etc.? Give reasons to support your assertion. (08)
क्या आप इस अवधारणा का समर्थन करते हैं कि भारत में कृषि का वर्तमान संकट महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु इत्यादि जैसे कुछ खास राज्यों तक सीमित है? अपने विचार के समर्थन में तर्क दें।

3. "The big bang economic reforms of the 1990s and gradualism and calibration in it in recent times have though many

positives, yet, has failed to give a serious dent to poverty and inequality." Evaluate the statement. What measures would you suggest in a typical neo-liberal set-up to handle inequality? (16+04=20)

"1990 का सारभूत आर्थिक सुधार एवं हाल के वर्षों में इसमें अनुक्रमण और अंशांकन यद्यपि बहुत सकारात्मक रहे हैं तथापि वो निर्धनता एवं असमानता में कोई महत्वपूर्ण खरोंच (बदलाव) लाने में असफल रहे हैं।" इस कथन का मूल्यांकन करें। एक विशुद्ध नव उदारवादी ढांचे में असामनता को दूर करने के लिए आप क्या उपाय सुझाएंगे?

4. Give a detailed account of growth and structure of industrial sector in India with respect to technology-intensity, labour-intensity, diversification, global competitiveness and regional spread? Do you subscribe to the idea that though India has been able to prevent de-industrialisation yet, it has failed to create an industrial base that can sustain high growth momentum and absorb surplus labour? (14+06=20)

तकनिकी-गहनता, श्रम-गहनता, विविधता, वैश्विक प्रतियोगितात्मकता एवं क्षेत्रीय प्रसार के सन्दर्भ में भारत में औद्योगिक क्षेत्र की सरंचना एवं विकास का विस्तृत ब्यौरा दें। क्या आप इस अवधारणा का समर्थन करते हैं क़ि यद्यपि भारत ने अन-उद्योगीकरण पर रोक लगाने में सफलता पायी है लेकिन वह एक ऐसे औद्योगिक आधार की रचना करने में असफल रहा है जो क़ि उच्च विकास आवेग को संभाल सके तथा अतिरेक श्रम का अवशोषण कर सके?

5. Why is fiscal balance treated as a pre-condition for stability and steady growth for the Indian economy? Examine the salient features of FRBM Act in this regard. Can adherence to strict fiscal discipline at a time when the economy is facing demand-side recession be a viable policy option? (08+08+04=20)

भारतीय अर्थव्यवस्था के स्थायित्व एवं सतत विकास के लिए राजकोषीय संतुलन को एक पूर्व शर्त क्यों माना जाता है? इस सम्बन्ध में FRBM अधिनियम के मुख्य विषेशताओं का मूल्याङ्कन कीजिये। क्या ऐसे समय में जब अर्थव्यवस्था मांग पक्ष से सुस्ती की स्तिथि का सामना कर रही है राजकोषीय अनुशासन का कठोरता पूर्वक पालन वांछनीय नीतिगत विकल्प हो सकता है?

6. "Himachal Pradesh stands apart from many states in India with its strong track record of poverty reduction, service delivery, and human and social development outcomes. While future economic growth is expected to result in significant economic gains, it can also entail potential costs as the state will have to

deal with new challenges." In the light of the above assessment made by the World Bank team explain the evolution and growth of the Himachal Pradesh economy and challenges faced by it. (20)

"निर्धनता में कमी लाने, सेवाएं प्रदान करने तथा मानव एवं सामाजिक विकास परिणाम के मजबूत रिकॉर्ड की दृष्टि से हिमाचल प्रदेश भारत के बहुत से राज्यों से बिलकुल अलग खड़ा होता है। जहाँ भविष्य में इसके आर्थिक विकास से महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ प्राप्त होने की प्रत्याशा है, वहीँ इससे नए लागत भी खड़े होंगे और राज्य को नयी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।". विश्व बैंक दल के उपरोक्त कथन के आलोक में हिमांचल प्रदेश अर्थव्यवस्था के उद्भभव और विकास और उन चुनौतियों की चर्चा करें जिनका सामना इसे करना पड़ रहा है।

7. (a) Account for the factors responsible for India's widening current account deficits in the post reform era. (08)

सुधार के बाद के युग में भारत के चालू खाते में बढ़ते घाटे के लिए उत्तरदायी कारणों का विवरण दें।

(b) What measures have been adopted by the government recently to handle the problem? (08)

हाल में इस समस्या को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने क्या उपाय अपनाये हैं?

(c) Do you think in the present growth scenario curtailment in domestic absorption through deflationary measures is a viable policy tool to reduce current account deficit? (04)

क्या आप मानते हैं कि वर्तमान विकास परिदृश्य में विस्फीतिकारी उपायों द्वारा घरेलु अवशोषण को कम करना चालू खाते में घाटे को कम करने के लिए एक व्यवहार्य नीति है?

8. Explain the channels through which money supply regulation works in India. Do you think in an open economy with high capital mobility monetary management can be successful in delivering the desired goal of 'growth with stability'? (14+06=20)

उन माध्यमों (चैनल) की चर्चा कीजिये जिनके द्वारा भारत में मुद्रा पूर्ति का नियमन कार्य करता है। क्या आप मानते हैं कि एक खुली अर्थव्यवस्था में जहाँ पूंजी की गतिशीलता बहुत अधिक है मौद्रिक प्रबंधन 'स्थायित्व के साथ विकास' के अभिलषित लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हो सकता है?